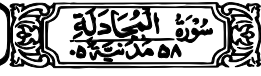


بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



سूरअे मुजलदलल मदनलरुल

नलमसे अललललडके डलडल मडरडलन डडशनेवलल

आडलत २२ रुकूअ ३

قَدْ سَمِعَ اللَّهُ قَوْلَ الَّتِي تُجَادِلُكَ فِي زَوْجِهَا وَتَشْتَكِي إِلَى

डेशक सुनली अलललडने डलत उसकी, जो डडस करती है तुमसे अपने शौडरके डलरेमें, और डरलडलड करती है

اللَّهِ ۗ وَاللَّهُ يَسْمَعُ تَحَاوُرِكُمَا ۗ إِنَّ اللَّهَ سَمِيعٌ بَصِيرٌ ۝١

अलललडसे, और अलललड सुन रडल है तुम डोनोकल डलत डीत. डेशक अलललड सुननेवलल डडनेवलल है (१) जो डोग

يُظهِرُونَ مِنْكُمْ مَنْ نَسَائِبَهُمْ فَاهُنَّ أَمْهَاتُهُمْ

अडनी ओजलको मलंकी जगड डनलअें तुमडेंसे, तो वोल उसकी मलं नडी हैं. उसकी मलं वोलडी हैं

إِلَّا إِلَىٰ وَوَلَدَهُمْ وَآثَهُمْ لَيَقُولُنَّ مُنْكَرًا مِّنَ الْقَوْلِ وَزُورًا ۗ

जलनडोंने जनल है उनडें. और डेशक डड डोग डकीनन केडते हैं नलगवलर डलत और डूट.

وَإِنَّ اللَّهَ لَعَفُوفٌ غَفُورٌ ۝٢ وَالَّذِينَ يُظهِرُونَ مِنْ نَسَائِبِهِمْ ثُمَّ

और डेशक अलललड डकीनन मुआडी डेनेवलल मडरडत डरमलनेवलल है (२) और जो डीवीको मलंकी जगड डनलअें अडनी औरतोंमें, डर

يَعُودُونَ لِمَا قَالُوا فَتَحْرِيرُ رَقَبَةٍ مِّن قَبْلِ أَنْ يَتَنَاسَأَ ذِكُّكُمْ

डौडें उसी तरड जलसके डलडे अेसी डोली डोल डुकु, तो उन डर अेक गुललडको आजलड करना है, कडल उसके, डल अेक डूसरेको डलथ डगलअें डड है जलसकी

تَوْعظُونَ بِهِ ۗ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ۝٣ فَمَنْ لَّمْ يَجِدْ فَصِيَامُ

नसीडतकी जलती है तुमडें. और अलललड जो कुड करे डडरडलर है (३) तो जलसने न डलडल, तो रोजे हैं

شَهْرَيْنِ مُتَتَابِعَيْنِ مِنْ قَبْلِ أَنْ يَتَنَاسَأَ ۗ فَمَنْ لَّمْ يَسْتَطِعْ

डो मडीनेके डगलतलर, कडल उसके डल डलडड डलथ डगलअें. तो जलसे उसकी डी सकत नडी,

فَأَطَاعَ مَسِيئِينَ مَسْكِينًا ۗ ذَلِكَ لَتُؤْمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ ۗ وَتِلْكَ

तो डूरल डलनल डललनल है सलठ डलरकीनोकल. डड उस डलडे डल डलनते रडल अलललड और उसके रसूलको. और डड

حُدُودَ اللَّهِ ۗ وَلِلْكَافِرِينَ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝٤ إِنَّ الَّذِينَ يُجَادِلُونَ

अलललडकी डडडनडलडलं हैं. और मुनडरकें डलडे डुडवलल अजलड है (ॡ) डेशक जो मुडलडलडत करें

اللَّهِ وَرَسُولَهُ كِبْتُوا كَمَا كُتِبَتِ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ وَقَدْ أَنْزَلْنَا آيَاتٍ

अलललड और उसके रसूलकी, जलललत डलडे गडे जलस तरड जलललत डलडे गडे वोल, जो उनसे डडले थे, और डेशक उसलरल डडने रौशन

بَيِّنَاتٌ وَلِلْكَافِرِينَ عَذَابٌ مُّهِينٌ ﴿۵﴾ يَوْمَ يَبْعَثُهُمُ اللَّهُ جَمِيعًا

आयतोंको. और मुन्किरोंके लिये ज़िद्वत देनेवाला अज़ाब है (५) जिस दिन कि उठायेगा उन सबको अल्लाह,

فَيُنَبِّئُهُمْ بِمَا عَمِلُوا أَحْصَاهُ اللَّهُ وَنَسُوهُ وَاللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

फ़िर भता देगा उन्हें जो करतूत किये. शुमार कर लिया है उसे अल्लाहने, और वोह लोग भूल चुके उसे. और अल्लाह हर अक़का

شَهِيدٌ ﴿۶﴾ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ مَا فِي السَّمَاوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ مَا

निगरां है (६) क्या नहीं देभा तूने ? कि अल्लाह जान रहा है जो कुछ आस्मानों और जो कुछ ज़मीनमें है. नहीं

يَكُونُ مِنْ تَحْتِهَا إِلَّا هُوَ رَآبِعُهُمْ وَلَا خَسْرَةَ إِلَّا هُوَ سَادُّهُمْ

छोती तीन शम्सोंकी कोर सरगोशी, मगर वोह उनका चौथा है, और न पांच शम्सोंकी, मगर वोह उनका छटा है,

وَلَا آذَىٰ مِنْ ذَلِكَ وَلَا أَكْثَرُ إِلَّا هُوَ مَعَهُمْ آيَاتِنَ مَا كَانُوا تُنذِرُهُ

और न उससे कमकी और न ज़्यादाकी, मगर वोह उनके साथ है, जहां भी हों. फिर

يُنَبِّئُهُمْ بِمَا عَمِلُوا يَوْمَ الْقِيَامَةِ إِنَّ اللَّهَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ ﴿۷﴾ أَلَمْ تَرَ

भता देगा उन्हें जो करतूत किये उन्होंने क्यामतके दिन. भेशक अल्लाह हर अक़का जाननेवाला है (७) क्या नहीं

إِلَى الَّذِينَ هُمْ عَنْ النَّجْوَىٰ ثُمَّ يَعُودُونَ لِمَا نُهُوا عَنْهُ وَ

देभा तुमने उन्हें जो रोके गये सरगोशीसे, फिर वोही करते हैं जिससे रोके गये, और

يَتَنَجَّوْنَ بِالْآثِمِ وَالْعَدْوَانِ وَمَعْصِيَتِ الرَّسُولِ وَإِذَا جَاءُوكَ

सरगोशियां करते हैं गुनाह और कानून शिकनी और रसूलकी गुनहगारीकी. और जब आये तुम्हारे पास

حَيُّوكَ بِمَا لَمْ يُحْيِكْ بِهِنَّ اللَّهُ وَيَقُولُونَ فِي أَنفُسِهِمْ لَوْلَا يُعَذِّبُنَا

तो सलाम किया ऐसे लड़कोंमें, कि सलाम करार नहीं दिया तुम्हारा जिसको अल्लाहने, और केहते हैं अपनेअपनेजमें, कि क्यूंनहीं अज़ाब देता हमें

اللَّهُ بِمَا نَقُولُ حَسْبُهُمْ جَهَنَّمُ يَصَلُّونَهَا فَيَسَّ النَّصِيرُ ﴿۸﴾ يَا أَيُّهَا

अल्लाह बसबभ उस भोलीके, जो हम भोवते हैं. काही है उन्हें जहन्नम. जाअगे उसमें, तो क्या भुरा फिरनेका ठिकाना है (८) ओ

الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا تَنَاجَيْتُمْ فَلَا تَتَنَاجَوْا بِالْآثِمِ وَالْعَدْوَانِ وَ

ईमानवावो ! जब तुमने सरगोशी करनी चाही, तो मत सरगोशी करो गुनाह और कानून शिकनी और

مَعْصِيَتِ الرَّسُولِ وَتَنَاجَوْا بِالْبِرِّ وَالتَّقْوَىٰ وَالتَّقْوَىٰ اللَّهُ الَّذِي

रसूलकी गुनहगारीकी, और सरगोशी करो नेकी और भौके भुदाकी. और उरते रहो अल्लाहको, जिसकी

إِلَيْهِ تُحْشَرُونَ ٩ اِنَّمَا التَّجْوِي مِنَ الشَّيْطَانِ لِيَحْزَنَ الَّذِينَ آمَنُوا

तरफ़ उशर किये जाओगे (९) भुरी सरगोशी तो शैतानकी तरफ़से है, ताकि रंज दे उन्हें जो ईमान

وَلَيْسَ بِضَارِّهِمْ شَيْئًا إِلَّا بِإِذْنِ اللَّهِ ١٠ وَعَلَى اللَّهِ فَلْيَتَوَكَّلِ

लाओ, हावांकि नही है बिगाड सकनेवाला उनका कुछ, भगैर अल्लाहके हुकमके. और अल्लाह ही पर लरोसा रभे रहें

الْمُؤْمِنُونَ ١٠ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا قِيلَ لَكُمْ تَفَسَّحُوا فِي الْمَجَالِسِ

ईमानवाले (१०) ओ ईमानवालो ! जहां कडा गया तुम्हें कि जगड हो मजलिसोंमें,

فَاتَسَّحُوا يَفْسَحِ اللَّهُ لَكُمْ ١١ وَإِذَا قِيلَ اسْكُرُوا فَإِنُكِرْتُمُ اللَّهُ

तो जगड दे दिया करो, तुम्हें अल्लाह जगड देगा. और जहां कडा गया कि उठ पडो, तो उठ पडा करो, बुलन्द करमा देगा अल्लाह

الَّذِينَ آمَنُوا مِنْكُمْ وَالَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ دَرَجَاتٍ ١٢ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ

उन्हें जो ईमान लाओ तुममेंसे, और जो दिये गओ हैं एल्म दरजों. और अल्लाह जो कुछ करो

خَيْرٌ ١٣ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا تَاجَعْتُمْ الرَّسُولَ فَقَدِّمُوا بَيْنَ

बाभबर है (११) ओ ईमानवालो ! जब तुम पोशीदा बात करनी याओ रसूलसे, तो पहले दे लो

يَدَيْ تَجْوِيكُمْ صَدَقَةٌ ١٤ ذَلِكَ خَيْرٌ لَّكُمْ وَأَطْهَرُ فَإِن لَّمْ تَجِدُوا فَإِن

अपनी सरगोशीसे आगे कुछ सदका. यह बेहतरे है तुम्हारे लिये और निहायत पाकीजा. फिर अगर न पाया तुमने, तो बिलाशुभ

اللَّهُ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ١٥ أَشْفَقْتُمْ أَن تُقَدِّمُوا بَيْنَ يَدَيْ تَجْوِيكُمْ

अल्लाह गहूर रहीम है (१२) क्या डर गओ तुम उससे, कि पहले दे दो, अपनी पोशीदा बात केडनेके

صَدَقْتُمْ ١٦ فَادْكُم تَفَعَّلُوا وَتَابَ اللَّهُ عَلَيْكُمْ فَاقْبِلُوا الصَّلَاةَ

आगे कुछ सदके. तो जब तुम यह न कर सके, और मुआही देदी अल्लाहने भी तुम्हें, तो पाभन्दी कर ते रओ नमाजकी,

وَآتُوا الزَّكَاةَ وَاطِيعُوا اللَّهَ وَرَسُولَهُ ١٧ وَاللَّهُ خَيْرٌ مِّمَّا تَعْمَلُونَ ١٨

और देते रओ जकातकी, और कडा मानते रओ अल्लाह और उसके रसूलका. और अल्लाह बाभबर है जो अमल करते रओ (१३)

أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ تَوَلَّوْا قَوْمًا غَضِبَ اللَّهُ عَلَيْهِمْ مَّا هُمْ مِنْكُمْ

क्या नही देभा तुमने उन्हें जिन्होंने दोस्तीकी औसी कौमकी, जिन पर गजब करमाया अल्लाहने. न वोड तुममेंसे हैं

وَلَا مِنْهُمْ وَيَجْلِفُونَ عَلَى الْكُذِبِ وَهُمْ يَعْلَمُونَ ١٩ أَعَدَّ اللَّهُ

और न उनमेंसे. और वोड कसम भाया करते हैं जूट, हावांकि वोड जान रहे हैं (१४) तैयार कर चुका है अल्लाह

لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ ۱۴ إِنَّهُمْ سَاءَ مَا كَانُوا يَعْمَلُونَ ۱۵ اخْتِذُوا إِلِيمَانَهُمْ

उनके लिये सप्त अजाब. बेशक उन्होंने बुरा किया जो करतूत करते हैं (१५) बना लिया उन्होंने अपनी करमोंकी

جَنَّةٍ فَصَدُّوا عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ فَ لَهُمْ عَذَابٌ مُّهِينٌ ۱۶ لَنْ تُغْنِي

ढाल, तो रोकते रहे अस्वाहकी राहसे, तो उनकीके लिये है जिल्लतवाला अजाब (१६) न काम देंगे

عَنْهُمْ أَمْوَالُهُمْ وَلَا أَوْلَادُهُمْ مِنَ اللَّهِ شَيْئًا ۱۷ أُولَئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۱۸

उन्हें उनके माल, और न औलाद, अस्वाहके हुजूर कुछ. वोह जहन्नमवाले हैं

هُمْ فِيهَا خَالِدُونَ ۱۹ يَوْمَ يَبْعَثُهُمُ اللَّهُ جَمِيعًا فَيَحْلِفُونَ لَهُ كَمَا

वोह उसमें हमेशा रहनेवाले हैं (१७) जिस दिन कि उठायेगा उन सबकी अस्वाह, तो कसम भाअगे उसके यहां ली,

يَحْلِفُونَ لَكُمْ وَيَحْسَبُونَ أَنَّهُمْ عَلَىٰ شَيْءٍ ۲۰ أَلَا إِنَّهُمْ لَكَذِبُونَ ۲۱

जिस तरह कसम भाते हैं तुम्हारे पास, और भयाव करते हैं कि वोह कुछ फाँटा पर हैं. याद रभो कि बिलाशुभद वोही जूटे हैं (१८)

اسْتَحْوَذَ عَلَيْهِمُ الشَّيْطَانُ فَأَنسَهُمْ ذِكْرَ اللَّهِ ۲۲ أُولَئِكَ حِزْبُ الشَّيْطَانِ ۲۳

यह पडा उन पर शैतान, तो लुवा दिया उन्हें अस्वाहकी यादकी. वोह हैं शैतानका गिरोह.

أَلَا إِنَّ حِزْبَ الشَّيْطَانِ هُمُ الْخٰسِرُونَ ۲۴ إِنَّ الَّذِينَ يُجَادُونَ اللَّهَ

याद रभो कि शैतानका गिरोह, वोही भसारावाले हैं (१९) बेशक जो मुभाविकृत करें अस्वाह

وَرَسُولَهُ أُولَئِكَ فِي الْأَذْلٰلِينَ ۲۵ كَتَبَ اللَّهُ لَأَعْلٰبِينَ ۲۶ أَنَا وَرَسُولِي ۲۷

और उसके रसूलकी, वोह अडे लवीलोंमें हैं (२०) लिख चुका है अस्वाह, कि ज़र गालिब रहूँगा मैं और मेरे रसूल.

إِنَّ اللَّهَ قَوِيٌّ عَزِيزٌ ۲۸ لَا تَجِدُ قَوْمًا يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ

बेशक अस्वाह कुव्वतवाला जबरदस्त है (२१) तुम न पाओगे उन लोगोंको जो मान जाअे अस्वाह और पिछले दिनको,

يُوَادُّونَ مَنْ حَادَّ اللَّهَ وَرَسُولَهُ وَلَوْ كَانُوا آبَاءَهُمْ أَوْ أَبْنَاءَهُمْ أَوْ

कि दोस्ती करें उनकी जिन्होंने मुभाविकृतकी अस्वाह और उसके रसूलकी, गो वोह हों उनके बापदादे, या

أَخْوَانَهُمْ أَوْ عَشِيرَتَهُمْ ۲۹ أُولَئِكَ كَتَبَ فِي قُلُوبِهِمُ الْإِيمَانَ وَأَيَّدَهُمْ

भेदे, या भाई, या कुम्भावाले. वोह हैं कि नकश कर दिया अस्वाहने उनके दिलोंमें ईमानको, और ताईद इरमाई उनकी

بِرُوحٍ مِّنْهُ ۳۰ وَيَدَّخِلُهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خٰلِدِينَ

इहसे, अपनी तरफसे, और द्वाबिल इरमाअेगा उन्हें भागोंमें, भेडती हैं जिनके नीचे नहरें, हमेशा रहनेवाले

فِيهَا رَضِيَ اللَّهُ عَنْهُمْ وَرَضُوا عَنْهُ ۗ أُولَٰئِكَ حِزْبُ اللَّهِ ۗ أَلَا إِنَّ

उसमें. अल्लाह उनसे राजी, वोह अल्लाहसे प्युश. वोह हें अल्लाहकी जमाअत. याह रभो

حِزْبَ اللَّهِ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ﴿۴۲﴾

कि अल्लाहकी जमाअत कामियाब है (२२)

سُورَةُ الْحَشْرِ مَكِّيَّةٌ ۝ ۵۹

الْحَشْرِ ۝ ۵۹

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

सूरओ हशर मदनिय्या

नामसे अल्लाहके बडा महरबान बप्शनेवाला

आयात २४ रुकूअ ३

سَبَّحَ لِلَّهِ مَا فِي السَّمٰوٰتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ ۗ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿۱﴾ هُوَ

पाकी बोली अल्लाहकी सबने, जो कुछ आस्मानों और जो कुछ जमीनमें है. और वोही जबरदस्त डिक्मतवाला है (१) वोही है

الَّذِي اَخْرَجَ الَّذِينَ كَفَرُوا مِنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ مِنْ دِيَارِهِمْ لِأَوَّلِ

जिसने निकाल भगाया अहले किताब काफ़िरोंको, उनके घरोंसे पहली

الْحَشْرِ مَا ظَنَنْتُمْ اَنْ يَخْرِجُوْا ۗ وَظَنُّوْا اَنْهُمْ مَّا نَعْتَهُمْ حُصُوْنًا مِنْ

हांकको.. तुम लोगोंको भयाल न था कि वोह निकल जायेंगे, और वोह भयाल कर रहे थे, कि उनकी छिडकाजतको उनके किल्ले हें

اللّٰهِ فَاتَّهَمُوْا اللّٰهَ مِنْ حَيْثُ لَمْ يَحْتَسِبُوْا ۗ وَقَدْ فِى قُلُوْبِهِمُ الرَّعْبُ

अल्लाहके अजाबसे, तो आया उनके पास हुकमे ठलाही जहांसे उन्हें वलम ली न था. और डाल दिया उनके दिलोंमें दबदबा,

يَخْرِجُوْنَ بِيُوْتِهِمْ بِاَيْدِيهِمْ وَاَيْدِى الْمُؤْمِنِيْنَ ۗ فَاعْتَبِرُوْا يَا اُولِى

कि मोदने लगे अपने घरोंकी अपने हाथोंसे, और मुसल्मानोंके हाथोंसे. तो ध्रत लो अँ आंभ

الْاَبْصَارِ ﴿۲﴾ وَلَوْ لَا اَنْ كَتَبَ اللّٰهُ عَلَيْهِمُ الْجَلٰدَ لَعَذَّبَهُمْ فِى الدُّنْيَا

वालो (२) और अगर न लिख युका होता अल्लाह उन पर जिला वतन हो जानेकी, तो जरूर अजाब देता उन्हें दुन्यामें.

وَلَهُمْ فِى الْاٰخِرَةِ عَذَابُ النَّارِ ﴿۳﴾ ذٰلِكَ بِاَنْهُمْ شَاقُوْا اللّٰهَ وَرَسُوْلَهُ

और उनके लिये आभिरतमें आगका अजाब है (३) यह ठस लिये कि इटे इटे रहे अल्लाह और उसके रसूलसे.

وَمَنْ يُشَاقِقِ اللّٰهَ فَاِنَّ اللّٰهَ شَدِيْدُ الْعِقَابِ ﴿۴﴾ مَا قَطَعْتُمْ مِّنْ

और जो इटा इटा रहे अल्लाहसे, तो भिलाशुभल अल्लाह सप्त अजाबवाला है (४) जो कुछ काट डाला तुमने कोई दरफ्त,

لِيْنَةٍ اَوْ تَرَكْتُمْهَا قَائِمَةً عَلٰى اَصْوْلِهَا فَاِذِنِ اللّٰهُ وَلِيْ خِزْيٍ

या छोड दिया उसे भडा अपनी जडों पर, तो अल्लाहके हुकमसे हुवा, और ताकि दुस्वा कर दे

الْفٰسِقِيْنَ ۝ وَمَا آفَاءَ اللّٰهِ عَلَى رَسُوْلٍ مِنْهُمْ فَمَا اَوْجَفْتُمْ عَلَيْهِ

नाफरमानोंको (५) और जो कुछ माले गनीमत दिलाया अल्लाहने अपने रसूलको उन लोगोंसे, तो न दौडाया था तुम लोगोंने

مِنْ خَيْلٍ وَلَا رِكَابٍ وَلٰكِنَّ اللّٰهَ يُسَلِّطُ رُسُلَهُ عَلَىٰ مَنْ يَشَاءُ ۗ

उस पर घोडे और न ठीठ, लेकिन अल्लाह मुसल्लत करमा दे अपने रसूलोंको जिस पर चाहे.

وَاللّٰهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ ۝ مَا آفَاءَ اللّٰهِ عَلَى رَسُوْلٍ مِنْ اٰهْلِ

और अल्लाह हर चाहे पर कुदरतवाला है (६) जो कुछ माले गनीमत दिलाया अल्लाहने अपने रसूलको दूसरी आबादी

الْقُرٰى قَبْلَهُ وَلِلرَّسُوْلِ وَلِذِي الْقُرْبٰى وَالْيَتٰمٰى وَالسَّكِيْنِ وَ

वालोंसे, तो वोह अल्लाहके लिये और रसूलके लिये है, और उनके कराबतमन्होंके लिये और यतीमोंके लिये और भिस्कीनोंके लिये और

اِبْنِ السَّبِيْلِ ۗ كَيْ لَا يَكُوْنَ دُوْلًا بَيْنَ الْاَغْنِيَاءِ مِنْكُمْ وَمَا اَتٰكُمْ

मुसाफिरके लिये, ताकि न रह जाये वोह छाथों छाथ, तुम्हारे दौलतमन्हों छीके दरमियान. और जो कुछ

الرَّسُوْلِ فَخُذُوْهُ ۗ وَمَا نَهٰكُمْ عَنْهُ فَاتَّبِعُوْهُ ۗ وَاتَّقُوا اللّٰهَ ۗ اِنَّ اللّٰهَ

दे दिया तुमको रसूलने, तो लेलो उसे, और जिससे रोक दिया तुम्हें, तो रुक जाओ और डरते रहो अल्लाहको. भेशक अल्लाह

شَدِيْدُ الْعِقَابِ ۗ لِلْفُقَرٰءِ الْمُهٰجِرِيْنَ الَّذِيْنَ اٰخْرَجُوْا مِنْ دِيَارِهِمْ

सभ्त अजाब करमानेवाला है (७).. उन करीर छिजरत करनेवालोंके लिये, जो बेदभल किये गये अपने घरों

وَاَمْوَالِهِمْ يَبْتَغُوْنَ فَضْلًا مِّنَ اللّٰهِ وَرِضْوَانًا وَيَنْصُرُوْنَ اللّٰهَ وَ

और मालोंसे, चाडते रहते हैं अल्लाहके करलकी, और पुशनूदीकी, और मददमें रहते हैं अल्लाह और

رَسُوْلَهُ ۗ اُولٰٓئِكَ هُمُ الصّٰدِقُوْنَ ۗ وَالَّذِيْنَ تَبَوَّءَ الدّٰرَ وَالْاِيْمَانَ

रसूलकी, वोही सखे लोग हैं और जिन्होंने अपना ठिकाना रभा उस दारुल ईस्लाम और ईमान

مِّنْ قَبْلِهِمْ يُجِبُوْنَ مَنۢ هَاجَرَ اِلَيْهِمْ وَلَا يَجِدُوْنَ فِيْ صُدُوْرِهِمْ

में उनसे पहले, दोस्त रभते हैं उसे जिसने छिजरतकी उनकी तरफ, और नहीं पाते अपने सीनोंमें

حَاجَةً مِّمَّا اُوْتُوْا وَيُوْتِرُوْنَ عَلٰى اَنْفُسِهِمْ وَلَوْ كَانَ بِرِمۡ خَصًا مِّنۡهُ

कोई छाजत उसकी, जो मुछाजिरीन दिये गये, और तरखुड देते हैं उन्हें अपने गिपर, गो छो उन्हें सभ्त छाजत..

وَمَنۢ يُّوقِ شَرَّ نَفْسِهٖ فَاُولٰٓئِكَ هُمُ الْمُفٰحِحُوْنَ ۗ وَالَّذِيْنَ جَآءُوْ

और जो भया लिया जाये अपने नफसकी लालचसे, तो वोही कामयाब हैं (८) और जो आये

مِنْ بَعْدِهِمْ يَقُولُونَ رَبَّنَا اغْفِرْ لَنَا وَلِإِخْوَانِنَا الَّذِينَ سَبَقُونَا

उनके बाद, हुआ करते हैं कि “परवरदिगारा बप्श दे हमें और हमारे भाईयोंको, जो पहले लाये

بِالْإِيمَانِ وَلَا تَجْعَلْ فِي قُلُوبِنَا غِلًّا لِلَّذِينَ آمَنُوا رَبَّنَا إِنَّكَ رَءُوفٌ

हमसे ईमान, और न रभ हमारे दिलोंमें कुछ भी कीना उनके लिये जो ईमान ला चुके, परवरदिगारा बिलाशुभल तू

عَلِيمٌ

رَحِيمٌ ۝۱۰ أَلَمْ تَرَ إِلَى الَّذِينَ نَافَقُوا يَقُولُونَ لِإِخْوَانِهِمُ الَّذِينَ

महरभान रहमवाला है” (१०) क्या तुमने नहीं देखा मुनाफिकोंको, कि केहते हैं अपने भाई, अहले

كَفَرُوا مِنْ أَهْلِ الْكِتَابِ لِيُنْ أَخْرِجْتُمْ لِنُخْرَجَنَّ مَعَكُمْ وَلَا نُطِيعُ

किताब काकिरोको, “अगर तुम निकाले गये, तो हम भी निकल जायेंगे ज़र तुम्हारे साथ, और न कडा मानेंगे

فِيكُمْ أَحَدًا أَبَدًا وَإِنْ قُوتِلْتُمْ لَنَنْصُرَنَّكُمْ وَاللَّهُ يَشْهَدُ إِنَّهُمْ

तुम्हारे बारेमें किसेका कभी, और अगर तुमसे लडाईकी गई, तो हम ज़र मद्द करेंगे तुम्हारी.” और अल्लाह गवाह है, कि बिलाशुभल वोड

لَكٰذِبُونَ ۝۱۱ لِيُنْ أَخْرِجُوا لَا يَخْرُجُونَ مَعَهُمْ ۝ وَلِيُنْ قُوتِلُوا لَا

यकीनन जूटे हैं (११) यकीनन अगर वोड निकाले गये, तो यह न निकलेंगे उनके साथ. और यकीनन अगर उनसे लडाईकी गई, तो

يَنْصُرُوهُمْ ۝ وَلِيُنْ نَصَرُوهُمْ لِيُؤْتِنَ الْأَدْبَارَ ثُمَّ لَا يَنْصُرُونَ ۝۱۲

न मद्द देंगे उन्हें. और अगर मद्द भी की उनकी, तो ज़र भागेंगे पीठ दिभा कर .. फिर न मद्द किये जायेंगे (१२)

لَا أَنْتُمْ أَشَدُّ رَهْبَةً فِي صُدُورِهِمْ مِنَ اللَّهِ ذٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَوْمٌ لَا

भेशक तुम ज़्यादा भौकनाक हो उनके सीनोंमें अल्लाहसे. यह इस लिये कि वोड लोग कुछ समज ही नहीं

يَفْقَهُونَ ۝۱۳ لَا يُقَاتِلُونَكُمْ جَمِيعًا إِلَّا فِي قَرْيٍ مُّحَصَّنَةٍ أَوْ مِنْ

रभते (१३) न जंग कर सकेंगे तुमसे सब मिल कर भी, मगर किल्लाभन्द आभादियोंमें या शहर पनाह

وَرَاءِ جُدُرٍ بِأَسْمِهِمْ بَيْنَهُمْ شَدِيدًا خَسِيفًا جَمِيعًا وَقُلُوبُهُمْ شٰطِئٌ

के पीछसे. उनकी जंग आपस हीमें सभ्त है. तुम भयाव करोगे उन्हें अक जथा, और उनके दिल जुदाजुदा हैं.

ذٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَوْمٌ لَا يَعْقِلُونَ ۝۱۴ كَسَلِ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ قَرِيبًا

यह इस लिये, कि वोड लोग अकल ही नहीं रभते (१४) जैसे उनकी मिघाल जो उनसे पहले थे करीब जमानेमें, उन्होंने

ذٰقُوا وَيَالِ أَمْرِهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝۱۵ كَسَلِ الشَّيْطٰنِ إِذْ قَالَ

ने यभा अपने करतूतका वभाव. और उन्हीके लिये दुभववाला अजाब है (१५) जैसे शैतानकी मिघाल, जबकि बोला

لِلْإِنْسَانِ الْكَفْرُ فَلَمَّا كَفَرَ قَالَ إِنِّي بَرِيءٌ مِّنكَ إِنِّي أَخَافُ اللَّهَ رَبَّ

ई-सानको कि कुफ़ कर, फिर जब कुफ़ कर लिया, तो बोला कि मैं अलग हूँ तुमसे, बेशक मैं डर रहा हूँ अल्लाह २५ -

الْعَالَمِينَ ۱۴) فَكَانَ عَاقِبَتَهُمَا أَنَّهُمَا فِي النَّارِ خَالِدِينَ فِيهَا وَذَلِكَ جَزَاءُ

भूल आलमीनकी (१६) तो हुवा अ-जाम ईन दोनोंका कि दोनों आगमें हैं, हमेशा रहनेवाले उसमें. और यह सजा है

الظَّالِمِينَ ۱۵) يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اتَّقُوا اللَّهَ وَانْتِظِرْ نَفْسَ مَا قَدَّمَتْ

अंधेरेवालोंकी (१७) ओ ईमानवालो ! डरते रहो अल्लाहको, और देखा करे हर अक, कि क्या आगे भेजा

لِعَدِيٍّ وَاتَّقُوا اللَّهَ إِنَّ اللَّهَ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ۱۸) وَلَا تَكُونُوا كَالَّذِينَ نَسُوا

कलके लिये. और डरा करो अल्लाहको. बेशक अल्लाह बापबर है जो अमल करते हो (१८) और मत हो ज़ाओ उनकी तरफ जो भूल गये

اللَّهِ فَالْسَاءُ مَا أَنفَسَهُمْ أُولَئِكَ هُمُ الْفَاسِقُونَ ۱۹) لَا يَسْتَوِي أَصْحَابُ

अल्लाहको, तो उनकी भूलमें डाल दिया अल्लाहने भुद उन्हींको. वोही हैं नाफरमान (१९) नहीं बराबर हैं जन्नतम

النَّارِ وَأَصْحَابُ الْجَنَّةِ أَصْحَابُ الْجَنَّةِ هُمُ الْفَائِزُونَ ۲۰) لَوْ أَنزَلْنَا هَذَا

वाले और जन्नतवाले. कि जन्नतवाले ही बामुराद हैं (२०) अगर उतारते हम उस

الْقُرْآنَ عَلَى جَبَلٍ لَّرَأَيْتَهُ خَاشِعًا مُّتَصَدِّعًا مِّنْ خَشْيَةِ اللَّهِ وَ

कुरआनको किसी पहाड पर, यकीनन देभते तुम, कि जुका हुवा रेजा रेजा अल्लाहके भौंसे. और यह

تِلْكَ الْأَمْثَالُ نَضْرِبُهَا لِلنَّاسِ لَعَلَّهُمْ يَتَفَكَّرُونَ ۲۱) هُوَ اللَّهُ الَّذِي

मिषावें बताते हैं हम लोगोंके लिये, कि वोड सोयें (२१) वोही अल्लाह है जिसके सिवा

لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ عِلْمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ هُوَ الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ ۲۲) هُوَ

कोई मा'बूद नहीं. जाननेवाला गैब व शहादतका. वोही महदरभान बपशनेवाला है (२२) वोही

اللَّهُ الَّذِي لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ الْمَلِكُ الْقَدُّوسُ السَّلَامُ الْمُؤْمِنُ الْمُهَيَّبُ

अल्लाह है जिसके सिवा कोई पूजनेके काबिल नहीं. बादशाह निडायत पाक, सलामती वाला, अमानवाला, निगेडभान

الْعَزِيزُ الْجَبَّارُ الْمُتَكَبِّرُ سُبْحَانَ اللَّهِ عَمَّا يُشْرِكُونَ ۲۳) هُوَ اللَّهُ الْخَالِقُ

ईज्जतवाला, ज़बरदस्त तकबुरवाला, पाकी है अल्लाहकी उससे जो शरीक बनाते हैं (२३) वोही अल्लाह है बनानेवाला, पैदा

الْبَارِئُ الْمُصَوِّرُ لَهُ الْأَسْمَاءُ الْحُسْنَىٰ يُسْمَرُ لَهُ فِي السَّمَوَاتِ

करनेवाला, सूरत देनेवाला है, उसीके सब अच्छे नाम हैं. पाकी बोलते हैं उसकी, आस्मानों

۲
۵

وَالْأَرْضِ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝

और जमीनवाले. और वोही ईज्जतवाला डिक्कतवाला हे (२४)

سورة المسحنة ۴۰ آيات ۹۱
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
سूरअ मुन्तलिना मकिक्कया

नामसे अल्लाहके बडा महरबान बप्शनेवाला

आयात १ उ रुकूअ २

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَّخِذُوا عَدُوِّي وَعَدُوَّكُمْ أَوْلِيَاءَ تُلْقُونَ

अै ईमानवालो ! न बनाओ मेरे दुश्मन और अपने दुश्मनको अपना दोस्त, कि पैगाम रसानी

إِلَيْهِمْ بِالسُّودَّةِ وَقَدْ كَفَرُوا بِمَا جَاءَكُمْ مِنَ الْحَقِّ يُخْرِجُونَ الرَّسُولَ

करो उनकी तरफ दोस्तीसे, ढावांकि वोह ईन्कार कर चुके जे आया हे तुम्हारे पास उक. धरसे अलग करते हैं रसूलको,

وَإِيَّاكُمْ أَنْ تُؤْمِنُوا بِاللَّهِ رَبِّكُمْ إِنْ كُنْتُمْ خَرَجْتُمْ جِهَادًا فِي سَبِيلِي وَ

और तुम लोगोको, कि तुम मान चुके हो अल्लाह, अपने रबको. अगर तुम निकले थे जिहादके लिये मेरी राहमें, और मेरी

أَبْتِغَاءَ مَرْضَاتِي تُسِرُّونَ إِلَيْهِم بِالسُّودَّةِ وَأَنَا أَعْلَمُ بِمَا أَخْفَيْتُمْ وَ

भुशभूदियोंको याहनेके लिये, तो भुक्किया पैगामरसानी ली करते हो उनकी तरफ दोस्तीकी, ढावांकि मैं भुब जानता हूँ जे तुमने छुपाया और जे

مَا أَعْلَنْتُمْ وَمَنْ يَفْعَلْهُ مِنْكُمْ فَقَدْ ضَلَّ سَوَاءَ السَّبِيلِ ۝

अेवानिया किया. और जे करे यउ तुममेंसे, तो भेशक वोह बउक गया सीधे रास्तेसे (१) अगर वोह

يَتَّقُوكُمْ يُكُونُوا لَكُمْ أَعْدَاءً وَيَبْسُطُوا إِلَيْكُمْ أَيْدِيَهُمْ وَأَسْئَلْتَهُم

पा जाअें तुम्हें, तो ढोंगे तुम्हारे दुश्मन, और दराउ करेंगे तुम्हारी तरफ अपने ढाथों और अपनी जभानोंको

بِالسُّوءِ وَوَدُّوا لَوْ تَكْفُرُونَ ۝ لَنْ تَنْفَعَكُمْ أَرْحَامُكُمْ وَلَا أَوْلَادُكُمْ ۝

भुराईके साथ, उन्होंने यही याहा कि काश तुम काफिर हो जाओ (२) न काम आअेंगे तुम्हारे, तुम्हारे रिशते और न तुम्हारी औलाद.

يَوْمَ الْقِيَامَةِ يُفْصَلُ بَيْنَكُمْ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۝ قَدْ كَانَتْ لَكُمْ

क्यामतके दिन. वोह जुदा जुदा कर देगा तुम सबको. और अल्लाह जे कुछ करो देभनेवाला हे (३) भेशक था तुम्हारे लिये अरथ

أَسْوَةٌ حَسَنَةٌ فِي إِبْرَاهِيمَ وَالَّذِينَ مَعَهُ إِذْ قَالُوا لِقَوْمِهِمْ إِنَّا بُرَّاءُ وَ

नमूना ईब्राहीममें, और जे उनके साथ थे. जबकि बोले वोह सब अपनी कौमको, कि बिवाशुबउ डम

مِنْكُمْ وَمِمَّا تَعْبُدُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ كَفَرْنَا بِكُمْ وَبَدَا بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمْ

अलग हैं तुमसे, और उनसे जिन्हे पूजते हो अल्लाहके बिवाक. डम लोगोंने ईन्कार कर दिया तुम सबसे, और जाहिर हो चुकी

۲۵۹

سورة المسحنة ۴۰ آيات ۹۱

الْعَدَاوَةَ وَالْبَغْضَاءَ أَبَدًا حَتَّى تُؤْمِنُوا بِاللَّهِ وَحَدَّثَهُ إِلَّا قَوْلَ إِبْرَاهِيمَ

हमारे तुम्हारे दरमियान दुश्मनी और अदावत हमेशाको, यहाँ तक कि लोग मान जाओ अल्लाहको, मगर अब्राहीमकी एक बात

لِرَبِّهِ لَأَسْتَغْفِرَنَّ لَكَ وَمَا أَمْلِكُ لَكَ مِنَ اللَّهِ مِنْ شَيْءٍ رَبَّنَا

अपने बाबासे, कि मैं अस्तुफ़ार करूँगा तुम्हारे लिये और मैं नहीं छिपित्यार रभता तुज काफ़िरके लिये अल्लाहके डुजूर कुछ भी. “परवरदिगारा

عَلَيْكَ تَوَكَّلْنَا وَالْيَكِّ أَنْبَتْنَا وَالْيَكِّ الْمَصِيرُ ۗ رَبَّنَا لَا تَجْعَلْنَا فِتْنَةً

तुजी पर हमने भरोसा रभा, और तेरी ही तरफ़ हम रुजूअ हूँ, और तेरी तरफ़ फिरना है” (४) “परवरदिगारा न रभ हमें आजमाईश

لِلَّذِينَ كَفَرُوا وَأَعْفِرْ لَنَا رَبَّنَا إِنَّكَ أَنْتَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۗ لَقَدْ كَانَ

में उनके जिन्होंने कुफ़ किया, और भग्श हे हम सबकी, परवरदिगारा भेशक तू ही जबरदस्त डिक्मतवाला है” (५) भेशक था तुम

لَكُمْ فِيهِمْ أُسْوَةٌ حَسَنَةٌ لِمَنْ كَانَ يَرْجُوا اللَّهَ وَالْيَوْمَ الْآخِرَ وَ

लोगोंके लिये उनमें अच्छा नमूना, उसके लिये जो उम्मीद रभता हो अल्लाह और पिछले दिनकी. और

مَنْ يَتَوَلَّ فَإِنَّ اللَّهَ هُوَ الْعَزِيزُ الْحَمِيدُ ۗ عَسَى اللَّهُ أَنْ يَجْعَلَ

जो बेरुभी करे, तो भिलाशुभल अल्लाह ही बेनियाज हम्दवाला है (६) करीब है कि अल्लाह कर दे

بَيْنَكُمْ وَبَيْنَ الَّذِينَ عَادَيْتُمْ مِنْهُمْ مَوَدَّةً وَاللَّهُ قَدِيرٌ وَاللَّهُ

तुम्हारे दरमियान और उनके दरमियान, कि दुश्मनीका भरताव करने लगे, उनसे दोस्ती. और अल्लाह कुदरतवाला है और अल्लाह

عَفُورٌ رَّحِيمٌ ۗ لَا يَتَّبِعُ اللَّهُ عَنِ الَّذِينَ لَمْ يُقَاتِلُوكُمْ فِي الدِّينِ

गदूर रहीम है (७) नहीं रोकता तुम्हें अल्लाह उन लोगोंसे, जिन्होंने जंग नहींकी तुमसे दीनमें,

وَلَمْ يُخْرِجُواكُم مِّن دِيَارِكُمْ أَنْ تَبَرُّوهُمْ وَتُقْسِطُوا إِلَيْهِمْ إِنَّ اللَّهَ

और न निकावा तुम्हें तुम्हारे घरोंसे, कि हुस्ने सुलूक रभो उनसे, और छिन्साफ़ भरतो उनसे. भेशक अल्लाह

يُحِبُّ الْمُقْسِطِينَ ۗ إِنَّمَا يَتَّبِعُ اللَّهُ عَنِ الَّذِينَ قَاتَلُوكُمْ فِي

पसन्द करमाता है छिन्साफ़वालोंकी (८) अल्लाह तो तुम्हें मना करता है अस उन्ही लोगोंसे, जिन्होंने जंगकी तुमसे

الدِّينِ وَأَخْرَجُواكُم مِّن دِيَارِكُمْ وَظَهَرُوا عَلَىٰ أَخْرَاجِكُمْ أَنْ

दीनमें, और निकावा तुम लोगोंको तुम्हारे घरोंसे, और मददकी तुम्हारे निकावने पर, यह कि

تَوَكَّلْتُمْ وَمَنْ يَتَوَكَّلْ فَإِنَّ اللَّهَ مَعَ الظَّالِمِينَ ۗ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا

दोस्ती करो उनसे. जो दोस्ती करे उनकी, तो जालिम वोही हैं (९) अँ छिमानवालो ! जहाँ

جَاءَكُمْ التَّوْمِنَاتُ مَهْجِرَاتٍ فَاثْبُتْوهُنَّ ۖ اللَّهُ أَعْلَمُ بِأَيِّهَا يَرِهِنَّ ۚ

आ गઈ तुम्हारे पास मुसल्मान औरतें छिजरतकी निच्यतसे, तो तडकीकात करलो उनकी. अल्लाह खुब जानता है उनके ईमानकी.

فَإِنْ عَلِمْتُمْوهُنَّ مُؤْمِنَاتٍ فَلَا تَرْجِعُوهُنَّ إِلَى الْكُفَّارِ ۚ لَا هُنَّ حِلٌّ

तो अगर मा'लूम कर लिया तुमने उन्हें कि ईमानवाली हैं, तो वापस न करो उन्हें कुफ़रकी तरफ़. न वोड मुसल्मान औरतें

لَهُمْ وَلَا هُمْ يَحِلُّونَ لَهُنَّ ۚ وَاتَّوهُهُمَا أَنْفِقُوا ۖ وَلَا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ أَنْ

डलाव हें ईन काफ़िरोंके लिये, और न वोड काफ़िर डलाव हें ईन मुसल्मान औरतोंके लिये. और दे डालो जो महर भर्य किया है ईन काफ़िरोंने, और

تَتَّكِحُوهُنَّ إِذَا أَتَيْتُمْوهُنَّ أَجُورَهُنَّ ۖ وَلَا تَسْكَوْا بِعَصَمِ الْكُوفَرِ

कोई ठल्लाम नहीं तुम पर कि निकाह करलो उनके साथ, जबकि दे चुके उन्हें उनका महर. और रोकथाम न करो काफ़िर औरतोंके निकाह

وَسَأَلُوا مَا أَنْفَقْتُمْ وَلَيْسَ لَكُمْ أَنْفِقُوا ۚ ذَلِكُمْ حُكْمُ اللَّهِ بَيْنَكُمْ ۚ

की, और मांग लो जो तुमने भर्य किया, और वोड मांगलें जो उन्होंने भर्य किया. यह है अल्लाहका हुकूम. वोड कैसेला देता है तुम्हारे दरमियान.

وَاللَّهُ عَلِيمٌ حَكِيمٌ ۙ ۱۰ وَإِنْ فَاتَكُمْ شَيْءٌ مِّنْ أَرْوَاحِكُمْ إِلَى الْكُفَّارِ

और अल्लाह ईलमवाला डिक्मतवाला है (१०) और अगर निकल जाअें तुम्हारे डायोंसे यन्द औरतें काफ़िरोंकी तरफ़, तो तुमने

فَعَاقِبْتُمْ فَأُولَ الَّذِينَ ذَهَبَتْ أَرْوَاحُهُمْ مِّثْلَ مَا أَنْفَقُوا ۖ وَأَنْفِقُوا

सजा दी ईन काफ़िरोंको, तो दौ उन्हें जिनकी भीबियां निकल गईं उनना ही, जो उन्होंने भर्य किया था. और डरते

اللَّهُ الَّذِي أَنْتُمْ بِهِ مُؤْمِنُونَ ۙ ۱۱ يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ إِذَا جَاءَكَ التَّوْمِنَاتُ

रडो अल्लाहको, जिसके तुम लोग माननेवाले हो (११) ऐ आं डजरत ! जहां आअें तुम्हारे पास ईमानवाली औरतें,

يُبَايِعَنَّكَ عَلَى أَنْ لَا يُشْرِكَنَّ بِاللَّهِ شَيْئًا وَلَا يَسْرِقَنَّ وَلَا يَزْنِيَنَّ

कि बेअत करें तुम्हारी ईस पर, कि “शरीक न बनाअेंगी अल्लाहका किसीको, और न चोरी करेंगी, और न भटकारी करेंगी,

وَلَا يَقْتُلَنَّ أَوْلَادَهُنَّ وَلَا يَأْتِيَنَّ بِهَتَانِ يَفْتَرَيْنَ بَيْنَ أَيْدِيهِنَّ

और न मार डालेंगी अपनी औलादको, और न बनाअेंगी वोड बोडतान, कि गढलें जिसे अपने डायों

وَأَرْجُلِهِنَّ وَلَا يَعَصِيَنَّكَ فِي مَعْرُوفٍ قَبِيحَةٍ ۚ وَأَسْتَغْفِرُ لَهُنَّ

और पांवके दरमियान, और न बेहुकूम करेंगी किसी हुकूममें,” तो बेअत ले लो उनकी, और मज्फ़िरत मांगो उनकी

اللَّهُ إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ ۙ ۱۲ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَتَوَلَّوْا قَوْمًا غَضِبَ

अल्लाहसे. बेशक अल्लाह गकूररहीम है (१२) ऐ ईमानवालो ! न दोस्ती करो उस कौमकी, जिन पर गजब

اللَّهُ عَلَيْهِمْ قَدْ يَسْؤُونَ مِنَ الْآخِرَةِ كَمَا يَبِيسُ الْكَفَّارِينَ أَصْحَابِ الْقُبُورِ ﴿۱﴾

ફરમાયા અલ્લાહને, બેશક વોહ લોગ નાઉમ્મીદ હો ગએ આખરતસે, જિસ તરહ કાફિર લોગ નાઉમ્મીદ હો ચુકે કબ્રવાલોસે (૧૩)

سُورَةُ الصَّافِيَّاتِ ۱۹ مَكَرَّةٌ ۱۱
بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
الْباقية ۱۳

સૂરએ સફ મદનિયા

નામસે અલ્લાહકે બડા મહરબાન બખ્શનેવાલા

આયાત ૧૪ રુકૂઅ ૨

سَبِّحْ لِلَّهِ مَا فِي السَّمَاوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ ۖ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ﴿۱﴾ يَا أَيُّهَا

પાકી બોલી અલ્લાહકી સબને, જો કુછ આસ્માનોં ઓર જો કુછ ઝમીનમેં હે, ઓર વોહી ઝબરદસ્ત હિકમતવાલા હે (૧) ઐ

الَّذِينَ آمَنُوا لِمَ تَقُولُونَ مَا لَا تَفْعَلُونَ ۚ كَبُرَ مَقْتًا عِنْدَ اللَّهِ أَنْ

ઈમાનવાલો ! ક્યું કેહતે હો વોહ, જો ખુદ નહીં કરતે (૨) નિહાયત નાગવાર હે અલ્લાહકે નઝદીક, કિ

تَقُولُوا مَا لَا تَفْعَلُونَ ۚ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ الَّذِينَ يُقَاتِلُونَ فِي سَبِيلِهِ

“ કહો વોહ જિસે ખુદ ન કરો” (૩) બેશક અલ્લાહ પસન્દ ફરમાતા હે ઉન્હેં, જો જિહાદ કરેં ઉસકી રાહમેં

صَفَاكَ أَنَّهُمْ بَنِيَّانَ قَرْصُوصَ ۚ وَإِذْ قَالَ مُوسَى لِقَوْمِهِ لِقَوْمٍ لِمَ

સફ બાંધ કર, ગોયા કિ વોહ દીવાર હેં સીસા પિલાઈ હૂઈ (૪) ઓર જબ કિ કહા મૂસાને અપની કોમકો, કિ ઐ મેરી કોમ

تُوذُّونَنِي وَقَدْ تَعَلَّمُونَ إِنِّي رَسُولُ اللَّهِ إِلَيْكُمْ فَلَمَّا زَاغُوا أَزَاغَ

ક્યું સતાતે હો મુઝે, હાલાંકિ યકીનન તુમ જાનતે હો, કિ મેં અલ્લાહકા રસૂલ હૂં તુમહારી તરફ. ફિર ભી જબ ટેહે રહ ગએ,

اللَّهُ قُلُوبَهُمْ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْفَاسِقِينَ ۚ وَإِذْ قَالَ عِيسَى

તો ટેઠા હી રખા અલ્લાહને ઉનકે દિલોંકો. ઓર અલ્લાહ રાહ નહીં દેતા નાફરમાન લોગોંકો (૫) ઓર જબ કિ કહા ઈસા

ابْنِ مَرْيَمَ لِيُبَيِّنَ إِسْرَائِيلَ إِنِّي رَسُولُ اللَّهِ إِلَيْكُمْ مُصَدِّقًا لِمَا

ઈબને મરયમને, કિ ઐ બની ઈસ્રાઈલ બેશક મેં અલ્લાહકા રસૂલ હૂં તુમહારી તરફ, તસ્દીક કરનેવાલા

بَيْنَ يَدَيَّ مِنَ التَّوْرَةِ وَمُبَشِّرًا بِرَسُولٍ يَأْتِي مِنْ بَعْدِي اسْمُهُ

અપનેસે પહલેકી તોરેતકા, ઓર ખુશખબરી દેનેવાલા ઉસ અઝીમ રસૂલકા, જો આએંગે મેરે બા'દ, ઉનકા નામ હે

أَحْمَدٌ فَلَمَّا جَاءَهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ قَالُوا هَذَا سِحْرٌ مُّبِينٌ ۚ وَقَفْنَا عَلَى

અહમદ, ફિર જબ આ ગએ વોહ ભી ઉનકે પાસ રોશન દલીલોંકે સાથ, તો સબ બોલ પડે કિ યહ ખુલા જાદૂ હે (૬) ઓર ઈસસે

مِنْ أَفْتَرَى عَلَى اللَّهِ الْكَذِبَ وَهُوَ يُدْعَى إِلَى الْإِسْلَامِ وَاللَّهُ

ઝ્યાદા ઝાલિમ કોન હે ? જિસને બાંધા અલ્લાહ પર ઝૂટ, ઓર વોહ બુલાયા જા રહા હે ઈસ્લામકી તરફ. ઓર અલ્લાહ

لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ۝ يُرِيدُونَ لِيُطْفِئُوا نُورَ اللَّهِ بِأَقْوَاهِمَ

نہیٰ راہ دے تا اंधेरवाली कौमको (७) चाहते हैं कि बुझाएं अल्लाहके नूरको अपने मूंडोंसे,

وَاللَّهُ مُتِمُّ نُورِهِ وَلَوْ كَرِهَ الْكَافِرُونَ ۝ هُوَ الَّذِي أَرْسَلَ رَسُولَهُ

और अल्लाह पूरा फरमानेवाला है अपने नूरका, गो बुरा मानें काफिर लोग (८) वोही है जिसने भेजा अपने रसूलको

بِالْهُدَىٰ وَدِينِ الْحَقِّ لِيُظْهِرَهُ عَلَى الدِّينِ كُلِّهِ وَلَوْ كَرِهَ

छिदायत और दस्तूरे उकके साथ, ताकि गाखिब कर दे उसे सब दीनों पर ? गो बुरा मानें

الشِّرْكُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا هَلْ أَدُلُّكُمْ عَلَىٰ تِجَارَةٍ تُجِيبُكُمْ

۹

मुश्रिक लोग (९) अथ ईमानवालो ! क्या बाबबर कर दूं तुम्हें उस तिजारत पर, जो बचा ले तुम्हें

مِّنْ عَذَابِ إِلَهِكُمْ ۝ تُوْمِنُونَ بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ وَتُجَاهِدُونَ فِي

दुभवाले अजाबसे (१०) मानते रहो अल्लाहको और उसके रसूलको, और जिहाद किया करो

سَبِيلِ اللَّهِ بِأَمْوَالِكُمْ وَأَنفُسِكُمْ ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ إِن كُنتُمْ تَعْلَمُونَ ۝

अल्लाहकी राहमें अपने मालों और जानोंसे. यह बहेतर है तुम्हारे लिये अगर जानो माना (११)

يَغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوبَكُمْ وَيُدْخِلْكُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

बप्श देगा तुम्हारे गुनाहोंको और दाखिल करमायेगा तुम्हें बागोंमें, बहती हैं जिनके नीचे नहरें,

وَمَسْكِنٍ طَيِّبَةٍ فِي جَنَّاتٍ عَدْنٍ ۚ ذَٰلِكَ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝ وَأُخْرَىٰ

और पाकीजा घरोंमें बसे रहनेके बागोंमें. यही बकी कामियाबी है (१२) और दूसरी वोड

تُحِبُّونَهَا نَصْرٌ مِّنَ اللَّهِ وَفَتْحٌ قَرِيبٌ ۚ وَبَشِيرٌ لِّلْمُؤْمِنِينَ ۝ يَا أَيُّهَا

नेअमत, जिसकी दिखी प्वाछिश रभते हो, अल्लाहकी मदद और जल्द ही फ़तहयाबी, और बशारत दे दो मुसलमानोंको (१३) अथ

الَّذِينَ آمَنُوا كُونُوا أَنْصَارَ اللَّهِ كَمَا قَالَ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ لِحَوَارِيِّنَ

ईमानवालो ! हो जाओ दीने ईलाहीके मददगार, जैसे कि कहा था ईसा ईने मरयमने अपने उव्वारिख्यों

مَنْ أَنْصَارِي إِلَى اللَّهِ ۚ قَالَ الْحَوَارِيُّونَ نَحْنُ أَنْصَارُ اللَّهِ فَأَمَّاكَ

को, “कि कौन है मेरी मदद पर अल्लाहकी तरफ़ हो कर” बोले उवारी लोग, कि “उम दीने ईलाहीके मददगार हैं” तो मान गठ

طَائِفَةٌ مِّنْ بَنِي إِسْرَائِيلَ وَكَفَرْتَ طَائِفَةٌ ۚ فَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

अेक जमाअत बनी ईस्राईलकी, और ईन्कार कर दिया अेक जम्हयतने. तो ताईद फरमाई उमने उनकी, जो मान

عَلَىٰ عَدُوِّهِمْ فَاصْبَحُوا ظَاهِرِينَ ۝

गअ थे उनके दुश्मनों पर, तो वोह डो गअे गाखिभ (१४)



सूरअे जुम्आ मदनिय्या

नामसे अल्लाहके बडा महरबान बप्शनेवाला

आयात ११ रुकूअ २

يَسْبَحُ لِلَّهِ فِي السَّمَوَاتِ وَفِي الْأَرْضِ الْمَلِكِ الْقُدُّوسِ الْعَزِيزِ

पाकी भोलता रहता हे अल्लाहकी, जो कुछ आस्मानों और जो कुछ जमीनमें हे, बादशाह निहायत पाक, जबरदस्त

الْحَكِيمِ ① هُوَ الَّذِي بَعَثَ فِي الْأُمَمِينَ رَسُولًا مِنْهُمْ يَتْلُو عَلَيْهِمْ

लिकतमवाला (१) वोडी हे जिसने भेजा अनपढ़ोंमें रसूल उन्हींसे, जो तिलावत करें उन पर

آيَاتِهِ وَيُزَكِّيهِمْ وَيُعَلِّمُهُمُ الْكِتَابَ وَالْحِكْمَةَ ② وَإِنْ كَانُوا مِنْ قَبْلُ

उसकी आयतोंकी, और पाक करदें उन्हें, और सिखा दें उन्हें किताब व लिकमत. और भिलाशुभल वोह लोग थे उनसे पडले

لَفِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ③ وَالْآخَرِينَ مِنْهُمْ لَمَّا يَلْحَقُوا بِهِمْ وَهُوَ الْعَزِيزُ

भुली गुमराहीमें (२) और दूसरोंको भी उनमेंसे जो अभी नहीं मिले उनके साथ. और वोडी जबरदस्त

الْحَكِيمِ ④ ذَلِكَ فَضَّلُ اللَّهُ يُؤْتِيهِ مَنْ يَشَاءُ وَاللَّهُ ذُو الْفَضْلِ

लिकमतवाला हे (३) यह अल्लाहका इज्जल हे, हे उसे जिसे चाहे. और अल्लाह बडा इज्जल

الْعَظِيمِ ⑤ مَثَلُ الَّذِينَ حُمِلُوا الثَّوْرَةَ ثُمَّ لَمْ يَحْمِلُوهَا كَمَثَلِ

वाला हे (४) मिषाल उनकी जो गिरांभार किये गअे तौरेतके, फिर न भरदाशत कर सके उसकी, जैसे

الْحِمَارِ يَحْمِلُ أَثْقَالًا بِئْسَ مَثَلُ الْقَوْمِ الَّذِينَ كَذَّبُوا بِآيَاتِ

गधेकी मिषाल, जो लाटे किताबोंको. कितनी भुरी मिषाल हे उन लोगोंकी, जिन्होंने जुटलाया अल्लाहकी आयतोंको,

اللَّهِ وَاللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الظَّالِمِينَ ⑥ قُلْ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ هَادُوا

और अल्लाह नहीं राह देता अंधेरवालोंकी (५) केह दो, कि “अे यहूदियो !

إِنْ زَعَمْتُمْ أَنْكُمْ أَوْلِيَاءُ لِلَّهِ مِنْ دُونِ النَّاسِ فَتَسْتَوُوا الْمَوْتِ

अगर डींग ली हे तुमने कि तुम दोस्त डो अल्लाहके, और लोगोंको छोड कर, तो आरजू करो मौतकी,

إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ ⑦ وَلَا يَتَسَوَّنَ أَبَدًا بِمَا قَدَّمَتْ أَيْدِيهِمْ

अगर सख्ये डो” (६) और न आरजू करेंगे मौतकी कभी, भवजडे उसके जो पडले भेज चुके उनके डथ.

وَاللَّهُ عَلَيْهِم بِالظَّالِمِينَ ۝ قُلْ إِنْ السَّوْتِ الَّذِي تَقْرُونَ مِنْهُ

और अल्लाह अंधेरवालोंका जाननेवाला है (७) केह दो, कि "बिलाशुबह मौत, जिससे भागते हो तुम, तो जरूर वोह

فَاتَهُ مُلْقِيكُمْ ثُمَّ تُرَدُّونَ إِلَىٰ عِلْمِ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ فَيُنَبِّئُكُمْ

मिलनेवाली है तुम्हें. फिर वौटाये जाओगे आलिमुव गैब वशशाहादतकी तरफ, तो वोह बता देगा

بِمَا كُنْتُمْ تَعْمَلُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذَا نُودِيَ لِلصَّلَاةِ مِنْ

तुम्हें जो कुछ करते रहे" (८) और ईमानवालो जहां अजान दी गई नमाजकी

يَوْمِ الْجُمُعَةِ فَاسْعَوْا إِلَىٰ ذِكْرِ اللَّهِ وَذَرُوا الْبَيْعَ ذَلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ

जुम्हाके दिन, तो यल पडो अल्लाहके जिककी तरफ, और छोड दो भरीदो इरोफ्त. यह बेहतर है तुम्हारे लिये

إِنْ كُنْتُمْ تَعْلَمُونَ ۝ فَإِذَا قُضِيَتِ الصَّلَاةُ فَانْتَشِرُوا فِي الْأَرْضِ

अगर जानो मानो (८) फिर जब पूरी हो गई नमाज, तो फैल जाओ सरजमीनमें,

وَابْتَغُوا مِنْ فَضْلِ اللَّهِ وَاذْكُرُوا اللَّهَ كَثِيرًا لَّعَلَّكُمْ تُفْحَمُونَ ۝

और तलाश करो अल्लाहके इजलको, और याद करो अल्लाहको बहोत, कि कामयाब हो जाओ (१०)

وَإِذَا رَأَوْا تِجَارَةً أَوْ لَهْوًا النَّفْصَ الْيَهُودِيَّ فَإِيًّا قُلْ مَا

और जब देह पाया उन्होंने किसी तिजारत या तमाशाकी, तो यल दिये उधर, और छोड दिया तुम्हें भुत्तेमें भडा. केह दो, कि "जो

عِنْدَ اللَّهِ خَيْرٌ مِنَ اللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ وَمِنَ التِّجَارَةِ وَاللَّهُ خَيْرُ الرَّزَاقِينَ ۝

अल्लाहके पास है बेहतर है, तमाशा और तिजारतसे." और अल्लाह सबसे बेहतर रोजी देनेवाला है (११)

سُورَةُ الْمُنْفِقُونَ ۱-۲۳

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

سूरअे मुनाफिकून मदनिय्या नामसे अल्लाहके भडा महरभान बाप्शनेवाला आयात ११ रुकुअ २

إِذَا جَاءَكَ الْمُنْفِقُونَ قَالُوا لَسْهَدُ إِنَّكَ لَرَسُولُ اللَّهِ وَاللَّهُ يُعَلِّمُ

जब आये तुम्हारे पास मुनाफिक लोग, बोले कि हम गवाही देते हैं कि बेशक तुम यकीनन अल्लाहके रसूल हो.. और अल्लाह पूब जानता

إِنَّكَ لَرَسُولُهُ ۝ وَاللَّهُ يَشْهَدُ إِنَّ الْمُنْفِقِينَ كَذِبُونَ ۝

है, कि बिलाशुबह तुम यकीनन उसके रसूल हो. और अल्लाह गवाही देता है कि बिलाशुबह मुनाफिक लोग यकीनन झूठे हैं (१) बना लिया है उन्होंने

أَيَّمَانَهُمْ جُتَّةً فَصَدُّوا عَنْ سَبِيلِ اللَّهِ إِنَّهُمْ سَاءَ مَا كَانُوا

अपनी कसमोंको ढाल, तो रोका किये अल्लाहकी राहसे. बिलाशुबह वोह कितना भुरा है, जो कुछ

يَعْمَلُونَ ﴿۲۶﴾ ذَلِكِ بِأَنَّهُمْ آمَنُوا ثُمَّ كَفَرُوا فَطُبِعَ عَلَى قُلُوبِهِمْ

करते रहे (२) यह ठस लिये, कि उन्होंने ठमानका दा'वा किया, फिर कुङ्क बकने लगे, तो छाप लगाई गई उनके दिलों पर,

فَهُمْ لَا يَفْقَهُونَ ﴿۲۷﴾ وَإِذَا رَأَيْتَهُمْ تُعْجِبُكَ أَجْسَامُهُمْ وَإِنْ

तो वोड समजते ही नहीं (३) और जब देभ पाया तुमने उन्हें, तो अच्छे लगेंगे उनके जिस्म. और अगर भात

يَقُولُوا تَسْعَرُ لِقَوْلِهِمْ كَأَنَّهُمْ خُشُبٌ مُّسْتَدَآءٌ يُّحْسَبُونَ

थीत करें, तो सुनने लगो उनकी गुङ्गतगू, गोया वोड लकड़ीके हें दीवारसे लगे हूअे. प्याल ले जाते हें

كُلِّ صَيِّحَةٍ عَلَيْهِمْ هُمُ الْعَادُوْا فَاحْدَرَهُمْ قَتَلَهُمُ اللَّهُ إِنِّي

हर बुलन्द आवाज अपने ही ठीपर. वोड दुश्मन हें, तो उनसे बचे रखा करो. अल्लाह उन्हें गारत करे. कहां

يُؤْفَكُونَ ﴿۲۸﴾ وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ تَعَالَوْا اسْتَغْفِرْ لَكُمْ رَسُولُ اللَّهِ لَوَّوْا

औंधाअे जाते हें (४) और जब कहा गया उन्हें, कि “आ जाओ मुआड़ी दिला हें तुम्हें अल्लाहके रसूल,” तो घुमा लिया

رُءُوسَهُمْ وَرَأَيْتَهُمْ يَصُدُّونَ وَهُمْ مُّسْتَكْبِرُونَ ﴿۲۹﴾ سَوَاءٌ عَلَيْهِمْ

उन्होंने अपने सरोंको, और देभ पडे तुम्हें कि बाज रहते हें, और वोड बडी भोल भोलनेवाले हें (५) यकसां हें उन पर

أَسْتَغْفَرْتَ لَهُمْ أَمْ لَمْ تَسْتَغْفِرْ لَهُمْ لَنْ يَغْفِرَ اللَّهُ لَهُمْ إِنَّ

कि तुमने उनकी मुआड़ी याही, या न याही. अल्लाह हरगिज न भश्गेगा उन्हें. बिलाशुभद

اللَّهُ لَا يَهْدِي الْقَوْمَ الْفَاسِقِينَ ﴿۳۰﴾ هُمُ الَّذِينَ يَقُولُونَ لَا

अल्लाह राह नहीं देता नाकरमान लोगोंको (६) वोही हें जो बकते हें, कि “मत

تَنْفِقُوا عَلَىٰ مَنْ عِنْدَ رَسُولِ اللَّهِ حَتَّىٰ يَنْفَضُوا وَيَلَّهِ خِزَائِنُ

भर्य किया करो उन पर, जो रसूलके नजदीकी हें, यहां तक कि वोड भुद मुन्तशिर हो जाअें.” हावांकि अल्लाह हीका हे

السَّمَاوَاتِ وَالْأَرْضِ وَلَكِنَّ الْمُنْفِقِينَ لَا يَفْقَهُونَ ﴿۳۱﴾ يَقُولُونَ

आस्मानों और जमीनके भजाने, लेकिन मुनाफिक लोग समजते ही नहीं (७) बकते हें, कि

لَيْنُ رَّجَعْنَا إِلَى الْمَدْيَنَةِ لَيُخْرِجَنَّ الْأَعَزُّ مِنْهَا الْأَذَلَّ وَلِلَّهِ

“यकीनन अगर हम वापस हूअे मैदानसे मदीनाकी तरफ, तो ज़रूर निकाल देगा बडी ठज़्ज़तवाला उससे निहायत जलीलको,” और अल्लाह

الْعَرَّةَ وَلِرَسُولِهِ وَلِلْمُؤْمِنِينَ وَلَكِنَّ الْمُنْفِقِينَ لَا يَعْلَمُونَ ﴿۳۲﴾

हीके लिये ठज़्ज़त हे, और उसके रसूलके लिये, और ठमानवालोंके लिये, लेकिन मुनाफिक लोग ठल्म ही नहीं रभते (८)

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تُلْهِكُمْ أَمْوَالُكُمْ وَلَا أَوْلَادُكُمْ عَنْ

اے ایمان والو ! نہ گانگھ کر سکتے تومہیں تومہارا مال، اور نہ تومہاری اولاد،

ذِكْرِ اللَّهِ وَمَنْ يَفْعَلْ ذَلِكَ فَأُولَئِكَ هُمُ الْخَيْرُونَ ﴿٩﴾

اللہ کے ذکر سے۔ اور جو کرے ایسا، وہی بہتر ہے (۹) اور

أَنْفِقُوا مِنْ مَّا رَزَقْنَاكُمْ مِنْ قَبْلِ أَنْ يَأْتِيَ أَحَدَكُمُ

پہرچ پہرات کرتے رہو اسی سے، جو روٹی دی ہم نے تومہیں، اسی سے پہلے کہ آ جائے تومہیں سے کسی کی موت،

السَّوْتِ فَيَقُولَ رَبِّ لَوْلَا أَخَّرْتَنِي إِلَىٰ أَجَلٍ قَرِيبٍ فَأَصَّدَّقَ

تو کہنے لگے، کہ پروردگار! کبھی نہ موہلت دی تومہیں سے میری موت، کہ میں صدقا دیتا،

وَإَكُنْ مِنَ الصَّالِحِينَ ﴿١٠﴾ وَلَنْ يُؤَخِّرَ اللَّهُ نَفْسًا إِذَا جَاءَ

اور جو جاتا لیا کت مہنوں سے (۱۰) اور ڈرگیا نہ موہلت دے گا اللہ، کسی جان کو، جب آ گیا

أَجَلُهَا وَاللَّهُ خَبِيرٌ بِمَا تَعْمَلُونَ ﴿١١﴾

اسکا وقتے مکرر۔ اور اللہ جانے لے جو تومہیں کرے (۱۱)

۲۴۲

سُورَةُ التَّغَابُنِ ۱۸ مَكِّيَّةٌ ۱۰۸

سورہ اتگا بن مہنیا

نام سے اللہ کے ہذا مہر بان ہوشنے والا

آیاات ۱۷ ر۴۲

يَسْبِغُ اللَّهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحُكْمُ

پاکی ہولتا رہتا ہے اللہ کے، جو آسمانوں میں اور جو زمین میں ہے۔ اسی کی شادی ہے اور اسی کے لیے ہمد۔

وَهُوَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ﴿١﴾ هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ فَمِنْكُمْ كَافِرٌ

اور وہ ہے ہر شے پر قادر (۱) وہی ہے جس نے پیدا فرمایا تومہیں، تو کوئی کافر ہے اور

مِنْكُمْ مُؤْمِنٌ ﴿٢﴾ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ﴿٣﴾ خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَ

کوئی مو'مین۔ اور اللہ جو کچھ کرے اسکا نیراں ہے (۲) پیدا فرمایا آسمانوں اور

الْأَرْضِ بِالْحَقِّ وَصَوَّرَكُمْ فَأَحْسَنَ صُوَرَكُمْ وَاللَّهُ بَصِيرٌ ﴿٤﴾

زمین کو ہککے ساتھ، اور سورت دی تومہیں، تو پوہ دی سورتیں تومہیں۔ اور اسی کی تراف کیر کر جانا ہے (۳)

يَعْلَمُ مَا فِي السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ وَيَعْلَمُ مَا تُسْرُونَ وَمَا تَعْلَمُونَ

جان رہا ہے جو کچھ آسمانوں اور زمین میں ہے، اور جان رہا ہے جو تومہیں چھپاتے ہو اور جو اے لانیہا کرتے ہو۔

وَاللَّهُ عَلَيْهِمْ يَدَاتِ الصُّدُورِ ۗ أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَبُؤُا الَّذِينَ كَفَرُوا

और अल्लाह जाननेवाला है सीनोंकी बातको (४) क्या नहीं आँ तुम्हारे पास जबर उनकी, जिन्होंने कुफ़

مِنْ قَبْلُ ۚ فَذَاقُوا وَبَالَ أَمْرِهِمْ وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝۵ ذَلِك

किया था पहले. तो यथा अपने कामका वधाव, और उनके लिये दुःखवाला अजाब है (५) यह इस लिये

بِأَنَّهُ كَانَتْ تَأْتِيهِمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ فَقَالُوا أَبَشَرٌ يَهْدُونَنَا ۚ

कि वाकेआ येह है कि लाया करते थे उनके पास उनके रसूल रौशन दलीलें, तो यह बोला करते थे कि क्या बशर हमारी रहनुमाँ करेंगे,

فَكَفَرُوا وَكُفُّوا ۗ وَاسْتَعْنَى اللَّهُ وَاللَّهُ عَنِّي حَسِيدٌ ۝۶ زَعَمَ

तो ईन्कार कर देते थे और फिर जाते थे, और बेनियाजी बरती अल्लाहने. और अल्लाह बेनियाज उम्हवाला है (६) धमन्डमें

الَّذِينَ كَفَرُوا ۗ إِنَّ لَنْ يُبْعَثُوا ۗ قُلْ بَلَىٰ وَرَبِّي لَتُبْعَثُنَّ ثُمَّ

रहे काकिर लोग, कि हरगिज न उठाये जायेंगे. केह दो, कि “क्यूँ नहीं,” मुझे अपने रबकी कसम यकीनन जरूर उठाये

لَتَنْبُوْنَ بِمَا عَمِلْتُمْ ۗ وَذَلِكِ عَلَى اللَّهِ يَسِيرٌ ۝۷ فَاْمِنُوا بِاللَّهِ وَ

जाओगे तुम, फिर यकीनन बता दिये जाओगे जो करतूत कर चुके, यह अल्लाह पर आसान है (७) तो मान जाओ अल्लाह और

رَسُولِهِ وَالنُّورِ الَّذِي أَنْزَلْنَا ۗ وَاللَّهُ بِمَا تَعْمَلُونَ خَبِيرٌ ۝۸ يَوْمَ

उसके रसूलको, और उस नूरको, जो हमने उतारा. और अल्लाह जो करो बाबबर है (८) जिस दिन कि

يَجْمَعُكُمْ لِيَوْمِ الْجَمْعِ ۗ ذَلِكِ يَوْمِ التَّغَابِنِ ۗ وَمَنْ يُؤْمِنْ بِاللَّهِ

ईकट्टा करेगा तुम्हें जमा होनेके दिन, यह है डारके जाडिर होनेका दिन. और जो मान जाये अल्लाहको

وَيَعْمَلْ صَالِحًا يُكْفِرْ عَنْهُ سَيِّئَاتِهِ وَيُدْخِلْهُ جَنَّاتٍ تَجْرِي

और नेक काम करे, उतार देगा उनसे उनके गुनाह, और द्वाबिल इरमाओगा उसे बागोंमें, कि भेडती हैं

مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۗ ذَلِكِ الْفَوْزُ الْعَظِيمُ ۝۹

जिनके नीचे नहरें, हमेशा हमेशा रहनेवाले उसमें, यही बडी कामियाबी है (९)

وَالَّذِينَ كَفَرُوا وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ النَّارِ ۗ خَالِدِينَ

और जिन्होंने कुफ़ किया, और जुटलाया हमारी आयतोंको, वोह जहन्नमवाले हैं, हमेशा रहनेवाले उस

فِيهَا ۗ وَيَسَّ الْمَصِيرُ ۝۱۰ مَا أَصَابَ مِنْ مُصِيبَةٍ إِلَّا بِإِذْنِ

में. और कितनी बुरी फिरनेकी जगह है (१०) नहीं पड़ोयी कोई मुसीबत, मगर अल्लाहके

وَالَّذِينَ كَفَرُوا

اللَّهُ ۖ وَمَنْ يُؤْمِنْ بِاللَّهِ يَهْدِ قَلْبَهُ ۗ وَاللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ

हुकमसे. और जो माने अल्लाहको, तो छिदायत देगा उसके दिलको. और अल्लाह हर ऐकका जानने

عَلَيْهِمْ ۝ وَأَطِيعُوا اللَّهَ وَأَطِيعُوا الرَّسُولَ ۚ فَإِنْ تَوَلَّيْتُمْ فَإِنَّمَا

वाला है (११) और कडा मानो अल्लाहका, और कडा मानो रसूलका. अब अगर तुम फिर, तो

عَلَى رَسُولِنَا الْبَلْغُ الْمُبِينُ ۝ اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ وَعَلَى اللَّهِ

हमारे रसूलों पर सिर्फ साफ साफ पहोया देना है (१२) अल्लाह, नहीं है कोरि मा'भूट उसके सिवा, और अल्लाह ही पर तो

فَلْيَتَوَكَّلِ الْمُؤْمِنُونَ ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِنِّ مِنْ أَرْوَاجِكُمْ

भरोसा रभें ईमानवाले (१३) ऐ ईमानवालो ! भेशक तुम्हारी कुछ भीबियां

وَأَوْلَادِكُمْ عَدُوٌّ لَكُمْ فَاحْذَرُوهُمْ ۚ وَإِنْ تَعَفَّوْا وَتَصَفَّحُوا وَ

और औलाद दुश्मन हैं तुम्हारे, तो उनसे बचते रहो. और अगर मुआफी दो, और दर गुजर करो, और

تَعَفَّرُوا وَقَارَنَ اللَّهُ عَفْوَ رَسَّحِيمٌ ۝ إِنَّمَا أَمْوَالُكُمْ وَأَوْلَادُكُمْ

बपश दो, तो बिवाशुबड अल्लाह गङ्गुरहीम है (१४) तुम्हारे माल और औलाद, बस

فِتْنَةٌ ۗ وَاللَّهُ عِنْدَهُ أَجْرٌ عَظِيمٌ ۝ فَاتَّقُوا اللَّهَ مَا اسْتَطَعْتُمْ

झिन्ता ही हैं. और अल्लाह, उसके यडां बडा धवाब है (१५) तो डरते रहो अल्लाहको जडां तक छो सके,

وَأَسْعَوْا وَأَطِيعُوا وَأَنْفِقُوا خَيْرًا لِّأَنْفُسِكُمْ ۖ وَمَنْ يُوقِ شَهْرَ

और हुकम सुनो, और कडा मानो, और बर्य भैरत करो, अपने (बलेको. और जो मडकूज रभा जाये अपनी

نَفْسِهِ فَأُولَئِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ۝ إِن تَقَرُّضُوا اللَّهَ قَرْضًا

तभीअतकी कञ्जूसीसे, तो वोही लोग कामियाब हैं (१६) अगर दोगे अल्लाहको कर्ज

حَسَنًا يُضْعِفْهُ لَكُمْ وَيَغْفِرْ لَكُمْ ۗ وَاللَّهُ شَكُورٌ حَلِيمٌ ۝ عِلْمٌ

उसना, तो हूना कर देगा उसे तुम्हारे लिये, और बपश देगा तुम्हें, और अल्लाह कद्रदान भुईभार है (१७) जानने वाला

الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ الْعَزِيزِ الْحَكِيمِ ۝

गैब व शहादतका, जबरदस्त छिक्मतवाला (१८)

۲
۸
۱۳

سُورَةُ الطَّلَاقِ
۱۳

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

سُورَةُ الطَّلَاقِ
۶۵

सूरअे तलाक मदनिय्या

नामसे अल्लाहके बडा मडरभान बपशनेवाला

आयात १२ रुकूअ २

يَضَعَنَّ حَمْلُهَا^ط وَمَنْ يَتَّقِ اللَّهَ يَجْعَلْ لَهُ مِنْ أَمْرِهِ يُسْرًا^٧

जनवें अपना डमल. और जो उसे अल्लाहकी, वोह कर देगा उसके लिये उसके काममें आसानी (४)

ذَلِكَ أَمْرُ اللَّهِ أَنْزَلَهُ إِلَيْكُمْ^ط وَمَنْ يَتَّقِ اللَّهَ يَكْفُرْ عَنهُ سَيِّئَاتِهِ

यह है अल्लाहका हुकम, जिसको नाजिल करमाया तुम्हारी तरफ, और जो उसे अल्लाहकी, वोह उतार देगा उससे उसके गुनाह, और बखोत

وَيُعْظِمُ لَهُ أَجْرًا^٥ اسْكُتُوهُنَّ مِنْ حَيْثُ سَكُنْتُمْ^٦ مِنْ وُجُوهِكُمْ

बडा देगा उसको षवाब (५) औरतोंको छदतमें रणो, जहां भुट रहने लगे अपनी छेषियत भर,

وَلَا تُضَارَّوهُنَّ لِتُضَيِّقُوا عَلَيْهِنَّ^٧ وَإِنْ كُنَّ أَوْلَاتٍ حَمْلٍ

और न नुकसान पछोयाओ उन्हें, कि तंगी डाल दो उन पर. और अगर वोह डामिला डों,

فَأَنْفِقُوا عَلَيْهِنَّ^٨ حَتَّى يَضَعَنَّ حَمْلُهَا^٩ فَإِنْ أَرْضَعْنَ لَكُمْ

तो भी नान नफका दो उन्हें, यहां तक कि जनवें अपना डमल. फिर अगर दूध पिलाओ तुम्हारे भले

فَأَتَوْهُنَّ أَجُورَهُنَّ^٩ وَأَتِمُّوا بَيْنَكُمْ بِعَمْرٍو^{١٠} وَإِنْ تَعَاَسَرْتُم

को, तो देते रहो उन्हें उनकी उजरतोंको. और मशवरा किया करो आपसमें भुभीके साथ. और अगर दुश्वार जाना तुमने,

فَسَتَرْضِعَنَّ لَكُمْ^{١١} أَهْرَى^{١٢} لِيُنْفِقَ ذُو سَعَةٍ^{١٣} مِنْ سَعَتِهِ^{١٤} وَمَنْ

तो करीब है कि दूध पिला देगी उसे कोरि दूसरी (६) नफका दिया करे वुस्ततवाला अपनी वुस्ततके मुवाफिक. और जिस पर

قُدْرَةٌ عَلَيْهِ رِزْقُهُ^{١٥} فَلْيُنْفِقْ^{١٦} مِمَّا آتَاهُ اللَّهُ^{١٧} لَا يَكْفُلُ اللَّهُ

तंग है उसकी रोजी, तो वोह नफका दिया करे उससे जो दिया है उसे अल्लाहने. नहीं बार रणता अल्लाह किसी पर

نَفْسًا إِلَّا مِمَّا آتَاهَا^{١٨} سَيَجْعَلُ اللَّهُ^{١٩} بَعْدَ عُسْرٍ يُسْرًا^{٢٠} وَكَأَيُّنَ^{٢١} قِنْ

मगर जो दे रण है उसे. करीब है कि कर देगा अल्लाह दुश्वारीके बा'द आसानी (७) और कितनी आभादियां

قَرِيَّةٍ عَتَتْ عَنْ أَمْرِ رَبِّهَا^{٢٢} وَرُسُلِهِ^{٢٣} فَحَاسِبْنَاهَا^{٢٤} حِسَابًا شَدِيدًا^{٢٥}

थी कि सरकशीकी अपने रबके हुकमसे, और उसके रसूलोंसे, तो डमने डिसाब लिया उनका, सप्त डिसाब.

وَعَدَّ^{٢٦} بِنَاهَا^{٢٧} عَدًّا أَبًا تَكْرًا^{٢٨} فَذَاقَتْ^{٢٩} وَبَالَ^{٣٠} أَمْرِهَا^{٣١} وَكَانَ

और अजाब दिया उन्हें, नागवार अजाब (८) तो यण अपने कामके वबालकी, और उनके कामका

عَاقِبَةُ^{٣٢} أَمْرِهَا^{٣٣} خُسْرًا^{٣٤} أَعَدَّ^{٣٥} اللَّهُ^{٣٦} لَهُمْ^{٣٧} عَذَابًا^{٣٨} شَدِيدًا^{٣٩} فَاتَّقُوا

अन्जाम हुवा भसारेमें (९) तैयार कर युका है अल्लाह, उनके लिये सप्त अजाब. तो डरा करो

اللَّهُ يَا وَدِي الْأَلْبَابِ ۚ الَّذِينَ آمَنُوا ۗ قَدْ أَنْزَلَ اللَّهُ إِلَيْكُمْ

अव्वाडको ऐ अकलवावो.. जो ईमान ला युके.. बेशक नाजिल इरमाया अव्वाडने तुम्हारी

ذِكْرًا ۗ رَسُولًا يَتْلُوا عَلَيْكُمْ آيَاتِ اللَّهِ مُبَيِّنَاتٍ لِيُخْرِجَ الَّذِينَ

तरफ यादगार (१०) वोड रसूल जो तिलावत इरमाये तुम पर अव्वाडकी रौशन आयते, कि निकाल बाहर करे उन्हे, जो

آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ مِنَ الظُّلُمَاتِ إِلَى النُّورِ ۗ وَمَنْ يُؤْمِنْ

मान गये और नेकियांकी, अंधेरियोंसे रौशनीकी तरफ. और जो मान जाये

بِاللَّهِ وَيَعْمَلْ صَالِحًا يُدْخِلْهُ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ

अव्वाडको, और करे बियाकत मन्दी, दाबिल इरमायेगा उसे बागोंमें, बेडती रहती हैं जिनके नीचे नहरें, हमेशा

خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۗ قَدْ أَحْسَنَ اللَّهُ لَهُ رِزْقًا ۗ ۝ اللَّهُ الَّذِي

हमेशा रहनेवाले उसमें. बेशक भुभ कर दी अव्वाडने उसकी रोजी (११) अव्वाड है जिसने

خَلَقَ سَبْعَ سَمَاوَاتٍ وَمِنَ الْأَرْضِ مِثْلَهُنَّ ۗ يَتَنَزَّلُ الْأَمْرُ

पैदा इरमाया सात आस्मानोंको, और जमीनें उसी कदर. उतरता रहता है हुकम उनके

بَيْنَهُنَّ لِتَعْلَمُوا أَنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ وَأَنَّ اللَّهَ

दरमियान, ताकि जान लो कि बिलाशुभड अव्वाड, हर याहे पर कुदरतवाला है.. और बेशक अव्वाड

قَدَّ احْتَاظَ بِكُلِّ شَيْءٍ ۗ عِلْمًا ۗ ۝

ने धेर बिया हर अकको ईलममें (१२)

سُورَةُ التَّحْرِيمِ ۙ ۱-۲ ۙ ۝

सूरअे तडरीम मदनिय्या

नामसे अव्वाडके बडा महरमान बाम्शनेवाला

आयात १२ रुकुअ २

يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ لِمَ تُحَرِّمُ مَا أَحَلَّ اللَّهُ لَكَ تَبْتَغِي مَرْضَاتَ أَزْوَاجِكَ

ऐ आं डउरत! कयूं परडेउ करो तुम उससे, कि डलाव इरमा दिया जिसे अव्वाडने तुम्हारी भातिर. तुम याडते हो अपनी भीबियोंकी भुशी.

وَاللَّهُ عَفُورٌ رَحِيمٌ ۝ ۱ قَدْ فَرَضَ اللَّهُ لَكُمْ تَحِلَّةَ أَيْمَانِكُمْ وَاللَّهُ

और अव्वाड गडूर रहीम है (१) बेशक मुकरर इरमा दिया अव्वाडने तुम्हारी भातिरको, तुम सब मुसल्मानोंकी कसमोंका कइंकारा,

مَوْلَاكُمْ ۗ وَهُوَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ۝ ۲ وَإِذْ أَسْرَأَ النَّبِيُّ إِلَىٰ بَعْضِ أَزْوَاجِهِ

और अव्वाड तुम लोगोंका मौला है. और वोही ईलमवाला डिकमतवाला है (२) और जब कि पोशीदाकी आं डउरतने अपनी अक भीबीसे

حَدِيثًا ۚ فَلَمَّا نَبَّأَتْ بِهِ وَأَظْهَرَهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَرَفَ بَعْضَهُ ۚ وَ

भात. फिर जब केह डाला उन बीबीने उसको, और जाहिर करमा दिया उसे अल्लाहने आं डजरत पर, तो उनोंने जता दिया कुछ, और

أَعْرَضَ عَنْ بَعْضٍ ۚ فَلَمَّا نَبَّأَهَا بِهِ قَالَتْ مَنْ أَنْبَأَكَ هَذَا ۙ

यश्मपाशीकी कुछसे. तो जब बताया आं डजरतने उन बीबीकी, उनोंने पूछा कि किसने भबर दी आपकी ठसकी ?

قَالَ نَبَّأَنِي الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ ۚ إِنَّ تَوْبًا إِلَى اللَّهِ فَقَدْ صَغَتْ قُلُوبُكُمَا

जवाब दिया, कि “भबर दी मुझे अल्लाह ठल्मवाले भतानेवालेने” (उ) भेशक तुम दोनों भीभियां तौभा कर डालो अल्लाहकी तरफ, कि तुम्हारे दिल

وَإِنْ تَظْهَرَا عَلَيَّ فَإِنَّ اللَّهَ هُوَ مَوْلَىٰ وَجِبْرِيْلُ وَصَالِحُ الْمُؤْمِنِينَ ۚ

डट गये हैं, और अगर धाई रडोगी उस पर, तो भेशक अल्लाह ही आं डजरतका मौला है, और जिब्रिल, और वाईक मुसल्मान.

وَالْمَلَائِكَةُ بَعْدَ ذَلِكَ ظَهِيرٌ ۚ عَسَىٰ رَبُّكَ إِنْ طَلَّقَكَ أَنْ يُبَدِّلَكَ

और फिर इरिशते उनकी पुशत पर डालिरे हैं (ड) करीब है कि उनका रब, अगर तलाक दे दी आं डजरतने तुमको, येड

أَزْوَاجًا خَيْرًا مِّنْكَ مَسْلُومَاتٍ مُّؤْمِنَاتٍ قَانِتَاتٍ تَيَبَّنَّ تَبَّاتٍ عِبَادَاتٍ

कि भदल दे उनकी भातिर तुमसे भेडतर भीभियां नियाजमन्द, मान दान करनेवालियां, इरमांभरदार, तौभावालियां, पुजारियां,

سَيِّخَاتٍ تَيَبَّنَّ وَأَبْكَارًا ۚ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا قُوا أَنْفُسَكُمْ وَ

रोजादार, भेवा और कंवारियां (प) ऐ ठमानवालो ! भया लो अपनी ज्ञानोंकी और

أَهْلِيكُمْ نَارًا ۚ وَتُؤَدُّهَا النَّاسُ وَالْحِجَارَةُ عَلَيْهَا مَلَائِكَةٌ غِلَاظٌ

अपने वालोंकी उस आगसे, जिसका ठंधन ठन्सान हैं और पथर. जिस पर इरिशते हैं सप्त

شِدَادٌ لَا يَعْصُونَ اللَّهَ مَا أَمَرَهُمْ وَيَفْعَلُونَ مَا يُؤْمَرُونَ ۚ

करें. नहीं नाकरमानी करते अल्लाहकी, जो कुछ डुकम दे दिया उसने, और करे रडते हैं जो ली डुकम दिये जाते हैं (ड)

يَأَيُّهَا الَّذِينَ كَفَرُوا لَا تَعْتَدُوا ۚ الْيَوْمَ إِنَّا كُنَّا بِكُمْ

ऐ काकिरो ! न तावील गढो आज. तुम भदला दिये जाते डो उसीका जो किया करते

تَعْمَلُونَ ۚ يَأَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا تَوْبًا إِلَى اللَّهِ تَوْبَةً نَّصُوحًا ۚ عَسَىٰ

थे (ठ) ऐ ठमानवालो ! तौभा करो अल्लाहकी ज्ञानिभ, भरी तौभा. करीब है कि तुम्हारा रब

رَبُّكُمْ أَنْ يُكَفِّرَ عَنْكُمْ سَيِّئَاتِكُمْ وَيُدْخِلَكُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا

उतार दे तुमसे तुम्हारे गुनाह, और दाभिल इरमाये तुम्हें भागोंमें, भेडती हैं जिनके नीचे

الْأَنْهَرُ يَوْمَ لَا يُخْزِي اللَّهُ النَّبِيَّ وَالَّذِينَ آمَنُوا مَعَهُ نُورُهُمْ

نورے، جس دن کہ ن رنوا کرےگا اءلواہ آاں اءارءءکے، اور آے ءمان لاءے ءنکے ساآ. ءنکا نور

يَسْعَى بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَبِأَيْمَانِهِمْ يَقُولُونَ رَبَّنَا أَتَيْنَا لَكَ نُورًا

ءءس رءا ءوگا ءنکے آاے، اور ءنکے ءاءنہ. ءءا کرےے، کہ "ءرررءءءءا رورا ءرما ءےگا ءمارے لئے ءمارے نورکے،

وَاعْفِرْ لَنَا إِنَّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝۸ يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ جَاهِدِ

اور باءءا ءے ءمے، ءءشک ءء ءر راءے رر ءءرءءا لاءا ءے" (ء) اے آاں اءارءء ! آءءا ءرے

الْكُفَّارَ وَالْمُنَافِقِينَ وَاغْلُظْ عَلَيْهِمْ وَمَأْوَهُمْ جَهَنَّمُ وَيَسَّ

کاءرے اور مناآءکےسے، اور سءء رءا ءن رر. اور ءنکا ءءکانا آءننم ءے. اور آءءنہ ءءرے

النَّاصِرِ ۝۹ ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا لِلَّذِينَ كَفَرُوا امْرَأَتِ نُوحٍ وَامْرَأَتِ

آءرءےکے آءا ءے (ء) ءءءل مئسل ءرماءء اءلواءنہ کاءرےکے لئے، نورکے اورء اور ءءءکے

لُوطٍ ۝ كَانَتَا تَحْتَ عَبْدَيْنِ مِنْ عِبَادِنَا صَالِحِينَ فَخَاتَمَهُمَا فَلَمَّ

اورءءکے، ءوئوے ءءا ماءءءءمے ءمارے ءو لئیاکءءا لاءے بانءوےکے، ءو ءوئوے ءءا ءنکے ءنسے، ءو

يُغْنِيَا عَنْهُمَا مِنَ اللَّهِ شَيْئًا وَقِيلَ ادْخُلَا النَّارَ مَعَ الدَّٰخِلِينَ ۝۱۰

نءءا ءر آامء بانہ ءنکے لئے اءلواءکے ءور ءء ءء، اور ءءا ءءا ءء ءو ءوئوے ءءا آءو آاے، آءءا لاءوےکے ساآ (ء۰)

وَضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا لِلَّذِينَ آمَنُوا امْرَأَتِ فِرْعَوْنَ إِذْ قَالَتْ

اور ءءءل مئسل ءرماءء اءلواءنہ مئسلمائوےکے لئے آءرءوئکے اورءءکے.. آء ءء ءءا ءء ءس

رَبِّ ابْنِ لِي عِنْدَكَ بَيْتًا فِي الْجَنَّةِ وَنَجِّنِي مِنْ فِرْعَوْنَ وَعَمَلِهِ

نہ، کہ "ءرررءءءءا، بانا مہرے لئے اءنہ رءاں اءک ءر آءنءمے، اور بانا لہ مئءے آءرءوئ اور ءسکے

وَنَجِّنِي مِنَ الْقَوْمِ الظَّالِمِينَ ۝۱۱ وَمَرْيَمَ ابْنَتِ عِمْرَانَ الَّتِي

کءرءءسے، اور بانا لہ مئءے آالئم لوءوےسے" (ءء) اور مءرءم ءءءرے ءمرائکے، آءسے

أَحْصَيْتَ فَرْجَهَا فَنفَخْنَا فِيهِ مِنْ رُوحِنَا وَصَدَّقْتَ بِكَلِمَاتِ

ءاآءامئءکے، ءو ءءا ءمہ ءسمے اءنہ ءرءسے رءء، اور ءرءءکے اءنہ رءءکے ءاءوے

رَبِّهَا وَكُتِبَ عَلَيْهَا اسْمُهَا مَرْيَمُ وَسُوِّءَ لَهَا اسْمُهَا فِي الْبَلَدِ ۝۱۲

اور ءسکے آءءاءوےکے، اور ءءء ءرماںءرءاےسے (ءر)

وقف الاء

۶۷۴